वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र 2019–2020

प्रस्तुतकर्ता

सचिव

डॉ.बी.एल.देवन्दा

रजि. नं. 144/जयपुर/2008–09

मो॰ 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय,रूपनगढ़

(संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर)

राई का बाग, परबतसर रोड़, रूपनगढ़, अजमेर–305814

E-mail:Info@svmmcollege.com, website:- www.svmmcollege.com

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़ संचालित मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर शिक्षा समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में 2008–09 में प्रवेश किया था जो आज शोध सुविधायुक्त स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय के रूप में आपके समक्ष उन्नत मस्तक लिए खड़ा हुआ है।

महिला शिक्षा भारतीय सामाजिक व्यवस्था का एक अभिन्न अंग है। इसका समाज से गहरा संबंध है तथा इससे राष्ट्र की प्रकृति, संस्कृति एवं चरित्र अनुबंधित है। सामाजिक एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ–साथ आज की महिलाओं के सामने सामाजिक एवं आर्थिक समस्याएं, ज्ञान की वृद्धि, उभरती हुई अपेक्षाएँ तथा समाज में होनें वाले परिवर्तन इत्यादि भविष्य में जवाबदेही की अपेक्षा रखते हैं। इस दृष्टि से गुणवान सजग एवं अपने उतरदायित्वों के प्रति जागरूक महिलाओं को तैयार करने के लिए महिला शिक्षा की व्यवस्था में आवश्यक सुधार लाना अनिवार्य है। महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य समाज में चरित्रवान सबल, नैतिक रूप से सुदृढ़ सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिलायें तैयार करना है।

यह मान्यता है कि एक चरित्रवान सबल, नैतिक रूप से सुदृढ़ सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिला बनने के लिए औपचारिक एवं व्यावसायिक शिक्षण निरन्तर प्राप्त करते रहना चाहिए। ऐसा करने से उसके व्यक्तित्व का समुचित विकास होता है, संप्रेषण कौशल पुष्ट होता है तथा आचारसंहिता के प्रति वचनबद्धता बढ़ती है। इन्ही सभी मूल्यों को प्रायोगिक रूप में शिक्षा जगत में स्थापित करने हेतु मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर के द्वारा सत्र 2016–2017 से स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ़ का शुभांरभ किया गया ।

सचिव
डॉ.बी.एल.देवन्दा

बालिका शिक्षा क्षेत्र में नवीन सोपान

अनेक शिक्षण संस्थाओं के बीच एक नवीन रूप, नवीन कलेवर एवं बालिका क्षेत्र में एक नवीन धारणा लेकर प्रारम्भ हुआ है–''स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय''। शिक्षा क्षेत्र के आकाश पर उदीयमान यह नवोदित नक्षत्र बालिका शिक्षा अज्ञान के तिमिर को अपनी कान्ति से दूर करने का अथक प्रयास करता रहेगा। एक शुभ समय में किया गया एक संकल्प, एक शुभ घड़ी में बालिका परोपकार का फूटा अंकुर, जिन महानुभावों के दिल में, वो साधुवाद के पात्र हैं। उनका अभिवन्दन करना कोई अतिश्योक्ति नहीं। इस संस्था के कर्णधारों का उद्येश्य– आप सभी को केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं है, अपितु इस संस्था के माध्यम से हमारा उद्येश्य है– आप सभी को एक कर्त्तव्यनिष्ठ नारी के रूप में, एक देश–भक्त नागरिक के रूप में एवं सर्वोपरि–ईश्वर की सर्वोत्तम कृति स्वरूप एक आदर्श मानव के रूप में शिक्षित करने का। हमारा उद्येश्य है आप सभी में वांछित एवं आवश्यक मानवीय गुणों का विकास करना, जिससे कि आप भविष्य में न केवल अपना अपितु अपने माता–पिता, अपने परिवार एवं अपनी इस संस्था का नाम भी रोशन कर सकें।

किसी भी कार्य का शुभारम्भ हम करते हैं उस सर्वशक्तिमान के स्मरण से जिसकी कृपा के बिना कोई कार्य सफल नहीं हो सकता।

''श्री गणेशाय नमः श्री सरस्वत्यै नमः''।

प्रबिसि नगर कीजै सब काजा

हृदय राखि कौसलपुर राजा'

हर पल, हर पहर प्रभु का इसी प्रकार स्मरण रहे तो सफलता अवश्य ही चरण चूमेगी इसमें सन्देह नहीं।

12 जुलाई 2016 को रामायण का अखण्ड पाठ पॉच विद्वान पन्डितों द्वारा 24 घण्टे में सम्पन्न किया गया। तत्पश्चात् अगले दिन रात्रि में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के अध्यक्ष श्री बजरंग जी भाखर तथा सचिव डॉ. बाबू लाल जी देवन्दा ने जोडे सहित हवन में आहुति होम की। भोज प्रसाद से संस्था का उद्घाटन के रूप में प्रभु स्मरण से कार्य सम्पन्न हुआ।

हमारा पुनीत 'गायत्री–मंत्र' वास्तव में 'सविता अर्थात् सूर्य का स्तवन है। हम उस सर्वशक्तिमान सूर्य के सौर–मण्डल के Solar system के एक तुच्छ से अंग हैं। सूर्य हमारे लिये शक्ति का, ऊर्जा का अक्षय स्त्रोत है। उसी के प्रांगण, सूर्य मण्डल के क्रीडांगण में हम आज उसको नमन करते हुये शक्ति और ऊर्जा की प्रार्थना करते हैं। वे अपनी सप्त **ऋषियों** से इन बालिकाओं के तन–मन को सप्तरंगी इन्द्रधनुषों से सजाये व हमारे सयवेत प्रयत्न को सफलता का वरदान है।

महाविद्यालय परिचय

राज्य राजमार्ग सं. 7 पर किशनगढ शहर से 25 कि.मी. उत्तर में स्थित रूपनगढ कस्बा अपने आप मे एक सुपरिचित नाम है जो कि बणी–ठणी के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है। इसी कस्बे मे परबतसर रोड पर शिक्षा के उन्नयन एव विकास के लिए **मनु सोशियल वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन सोसायटी, जयपुर के द्वारा** स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय सचालित किया जा रहा है जो महिला शिक्षा के क्षेत्र में रूपनगढ कस्बे का प्रथम उभरता हुआ महाविद्यालय है।

महाविद्यालय का वर्तमान भवन 31000 वर्गगज क्षेत्र में बना हुआ है जिसमें 17 सुसज्जित कक्षा कक्ष 30x30 साइज के तथा सभी संसाधनों से युक्त गृहविज्ञान एवं भूगोल प्रयोगशालाए, सेमीनार हॉल, विशाल पुस्तकालय,वाचनालय, बुक बैंक एवं कम्प्यूटर प्रयोगशाला मौजूद है। वर्तमान भवन में एक 50X50 का 200 सीट्स सुविधा युक्त सेमीनार हॉल उपलब्ध है। महाविद्यालय में खेलकूद कक्ष एवं स्टोर हेतु भी अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध है महाविद्यालय परिसर में वॉलीबाल, बैडमिन्टन, खो–खो, कबड्डी, क्रिकेट इत्यादि आडटडोर गेम्स एवं केरम, शतरज, टेबल टेनिस जैसे इन्डोर गेम्स की सुविधायें मोजूद है। महाविद्यालयका विशाल उद्यान महाविद्यालय की शोभा मे चार चांद लगाता है।

महाविद्यालय का प्रस्तावित भवन

महाविद्यालय में उपलब्ध भौतिक संसाधनों का विवरण निम्न तालिका में दर्शाया गया है। :–

क्र. सं.	उपस्थित कक्ष	संख्या	उपलब्ध सामग्री
1	कक्षा–कक्ष	10	– प्रत्येक कक्ष मे 40 से 60 सीट्स मय राईटिंग टेबल – लेक्चर स्टेण्ड, विशाल श्यामपट्ट, हवा एवं रोशनी का पूर्ण प्रबन्ध
2	पुस्तकालय,वाचनालय एवं बुक बैक	1	– विभिन्न विषयों की कुल 4000 से अधिक पुस्तकें – धूल एवं क्षति से बचाने हेतु 22 कॉच की पुस्तकें रखने की बन्द अलमारियॉं – 40 छात्राओं की बैठक क्षमता का वाचनालय – लाइब्रेरी कार्ड की व्यवस्था – बुक बैंक जिसके माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी को 4 विषयों की पुस्तकें अग्रिम राशि जमा (जो की रिफण्डेबल है) देने पर उपलब्ध कराई जाती है।
3	कम्प्यूटर प्रयोगशाला	1	– कुल 22 कम्प्यूटर अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर एवं प्रिन्टर तथा स्केनर सहित उपलब्ध है।
4	गृह विज्ञान प्रयोगशाला	1	– समस्त मूलभूत आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला जिसमें बाल एवं महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सम्बंधी समस्त सामग्री उपलब्ध है।
5	भूगोल प्रयोगशाला (स्नातक)	1	– समस्त मूलभूत आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला उपलब्ध है ।
6	दृश्य श्रव्य संसाधन		– महाविद्यालय के पास ओ.एच.पी.,एल.सी.डी प्रॉजेक्टर कलर टीवी मय डी.वी.डी एवं कम्प्यूटर मय इन्टरनेट रेडियो एवं एफ.एम उपलब्ध है।
7	प्राचार्य,कार्यालय कक्ष एवं स्टाफ कक्ष	1	– निर्धारित मापदण्डों के अनुसार पूर्ण सुविधाओ से सुसज्जित है ।
8	खेलकूद एवं अन्य सहशैक्षिक सामग्री		– महाविद्यालय में क्रिकेट ,बैडमिन्टन , बॉलीवाल, फुटबाल, ऐथेलेटिक्स, शतरंज,कैरम,इत्यादि विभिन्न इन्डोर एवं आउटडोर खेलो की सुविधा मय खेल मैदान के उपलब्ध है साथ ही वाद्ययंत्र में हारमोनियम, तबला एवं ढोलक है ।
9	सेमीनार हॉल	1	– महाविद्यालय में एक सेमीनार हॉल 50 X 50 का 200 सीटों की क्षमता सहित उपलब्ध है ।
10	खेल मैदान,प्रार्थना स्थल, कॉमन रूम एवं अन्य सुविधाऐं		– महाविद्यालय के पास पर्याप्त खेल मैदान, प्रार्थना स्थल, कॉमन रूम तथा छात्राओं एवं स्टॉफ हेतु अलग से स्वच्छ शौचालय एवं मूत्रालय व्यवस्था सहित उपलब्ध है।

कम्प्यूटर लैब

खेल सामग्री

पुस्तकालय कक्ष

महाविद्यालय का खेल मैदान

विश्वविद्यालय से सम्बद्धता

महाविद्यालय महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर से सम्बद्ध है एवं राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त है।

महाविद्यालय में छात्र संख्या एवं उपलब्ध विषय

सत्र 2016–17 से अनवरत संचालित महाविद्यालय में सत्र 2019–20 में 28 छात्रायें विभिन्न विषयों मे नामांकित हुई। वर्तमान सत्र में अनिवार्य विषयों के अतिरिक्त राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य,संस्कृत साहित्य, गृहविज्ञान एवं भूगोल विषयों का अध्ययन कराया जा रहा है।

विषयवार प्रविष्ठ छात्राओं का विवरण– सत्र 2019–20

कला वर्ग

क.सं	विषय	नामांकित छात्रायें			योग
		प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	
1	राजनीति विज्ञान	27	24	25	76
2	भूगोल	17	25	21	63
3	इतिहास	18	18	12	48
4	समाज शास्त्र	00	00	01	01
5	अर्थशास्त्र	00	00	00	00
6	अंग्रजी साहित्य	00	00	00	00
7	हिन्दी साहित्य	21	21	21	63
8	गृहविज्ञान	00	00	00	00
9	संस्कृत साहित्य	01	02	01	04
10	दर्शनशास्त्र	00	00	00	00
11	मनोविज्ञान	00	00	00	00
12	लोकप्रशासन	00	00	00	00

महाविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियाँ

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम महाविद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियो का प्रत्यक्ष बखान करते है। गतवर्षो की विश्वविद्यालयी परीक्षा का परिणाम सर्वोत्तम रहा।

महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी

विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम के आधार पर सत्रवार सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं की सूची:–

क्र.स.	वर्ष 2019–20	छात्रा का नाम
1	बी.ए. प्रथम वर्ष	दुर्गा कुमावत
2	बी.ए. द्वितीय वर्ष	ललिता नेतड
3	बी.ए. तृतीय वर्ष	तारा शर्मा

सत्र 2019–20 में आयोजित विभिन्न शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का ब्यौरा:–

सत्र 2019–20 में महाविद्यालय में निम्नांकित शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

➢ प्रवेशोत्सव:–

महाविद्यालय मे दिनांक 01 जुलाई 2019 को नवागन्तुक छात्राओ का प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सचिव डॉ. बी. एल. देवन्दा एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने मय स्टॉफ श्री गणेश एवं मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर प्रवेश कार्य प्रारम्भ किया। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा इस अवसर पर समस्त छात्राओं का तिलक लगाकर व मोली बाँधकर स्वागत किया गया, एवं सभी छात्राओं के लिए जलपान एवं मिठाई की व्यवस्था की गई।

सत्र के प्रथम तीन दिवसों मे छात्राओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए तथा उनके ज्ञान स्तर मे वृद्धि करने के लिए प्राचार्य एवं स्टॉफ द्वारा अपने–अपने विषयों की सामान्य जानकारी दी गई। छात्राओं से सामान्य परिचय लिया गया एवं कक्षागत शिक्षण का शुभारंभ किया गया।

सीनियर छात्राओं द्वारा नवप्रवेशित छात्राओं का तिलक करते हुए

01 जुलाई 2019 को संस्था के अध्यक्ष, सचिव, प्रभारी तथा प्राचार्य द्वारा मॉ शारदा के श्री चरणों को दीप शिखा की ज्योति एवं धूप–गन्ध से विभूषित किया। ये हमारी भारतीय संस्कृति की अर्चना रही है। तत्पश्चात् छात्राओं को तिलकार्चन कर विधि पूर्वक उद्घाटन किया। छात्राओं की संख्या 85 है।

➢ हरियालो राजस्थानः–

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय रूपनगढ़ में आज दिनांक 26.08.2019 को राष्ट्रीय पर्व के उपलक्ष्य में 'हरियालो राजस्थान' के अन्तर्गत छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण का कार्य भी सम्पन्न किया गया तथा वृक्षों को हरा–भरा रखने की शपथ ग्रहण की।

महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्राएँ पौधारोपण करते हुए।

➢ शिक्षक–दिवसः–

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय रूपनगढ़ में दिनांक 05.09.2019 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के सचिव डॉ. बी.एल. देवन्दा, अध्यक्ष श्री बजरंग लाल भाखर व प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने कहा की डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा उनके विचारों से छात्र–छात्राओं को अवगत करवाया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मेघना कंवर चारण ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, किशन बुगालिया, पूजा रेबारी, ईंकार, दुर्गा कुमावत ने भाषण दिया। अंजू शर्मा, सिमरन मीणा, सोनू शर्मा, सुमन, संतोष, पूजा ने एकल नृत्य की प्रस्तुतियाँ दी। गरिमा एण्ड ग्रुप ने ग्रुप–डांस प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य व समस्त व्याख्याताओं का माला व तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय प्रभारी श्री रमेश मीणा ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन सादा व विचार उच्च कोटी के थे। अंत में सभी का आभार व्यक्त किया ।

शिक्षक–दिवस

➤ हिन्दी–दिवसः–

14 सितम्बर 2019 को महाविद्यालय में 'हिन्दी–दिवस' का आयोजन किया गया। 14 सितम्बर 1949 को राष्ट्रभाषा वर्धा समिति के अनुरोध पर मनाया जाता है। इसी दिन संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की 'राज–भाषा' होगी।

प्राचार्या महोदय ने अपने उद्बबोधन में कहा की हिन्दी हमारी राष्ट्रीय भाषा है, हमें इस पर गर्व होना चाहिए तथा इसके सम्मान के लिए प्रत्येक नागरिक को हिन्दी भाषा को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता "आज के परिवेश में हिन्दी भाषा का स्थान" विषय पर आयोजित की गई। जिसके पक्ष में सीमा, पूना राम, राधिका शर्मा और विपक्ष में जमना शंकर, पूजा धोलखेड़िया, रतन लाल आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। सस्वर कविता पाठ प्रतियोगिता में ईश्वर सिंह जोधा, लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी, लक्ष्मी खटीक, मेघना चारण, संदीप, चंकी मिश्रा, रेणुका राठौड़, संजना, मथिया आदि ने अपनी कविताओं के माध्यम से सभागार में उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं व्याख्याताओं का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त श्रुतिलेखन व पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

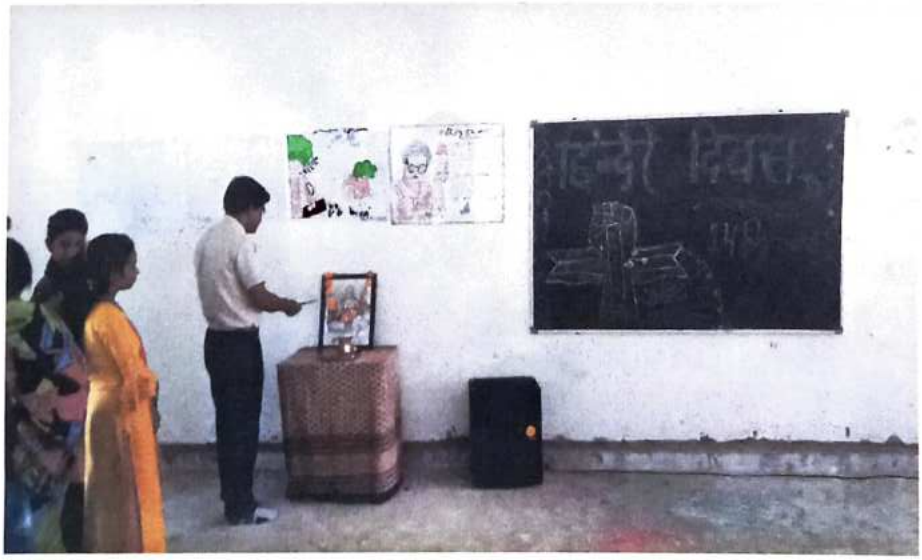

हिन्दी दिवस

➢ स्वच्छ भारत दिवस व गांधी–जयन्ती और शास्त्री जयन्तीः–

2 अक्टूबर 2019 को स्वच्छ भारत दिवस व 'गांधी–जयन्ती तथा शास्त्री जयन्ती' का उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। प्रभारी रमेश जी, प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा तथा अन्य व्याख्याताओं ने दोनों महापुरूषों के जीवन पर प्रकाश डाला। प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि महात्मा गांधी के विचारों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। महात्मा गांधी का एक ही सपना था– ''स्वच्छ और स्वस्थ हो भारत अपना'' हमें इस सपने को साकार करने में अपना योगदान देना चाहिए।

कार्यकम में संतरा देवी, ईश्वरसिंह, लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी, संदीप ने महात्मा गांधी जी की 150 वी जंयती पर विचार प्रस्तुत किये। पूजा धोलखेड़िया, मोना सैनी, दुर्गा कुमावत ने कविता प्रस्तुत की।

महाविद्यालय व्याख्याता शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत, मोहन लाल प्रजापत सरोज जाखड़, पूजा कुमावत, राजेश मंडुसिया, सीमा जाखड़ नें अपने विचार व्यक्त किये।

अन्त में महाविद्यालय प्रभारी रमेश मीणा ने आगन्तुक अतिथियों एवं समस्त छात्र–छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंच संचालन रतन लाल ने किया।

➤ गरबा प्रतियोगिताः–

गरबा महोत्सव कार्यक्रम में छात्राए प्रस्तुतिया देती हुई

03 अक्टुबर 2019 को ही गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक थे, शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत, रेनू। इस कार्यक्रम में गरबा रास का आयोजन किया गया जिसमें मेघना, मोना, सीमा, संतरा, अंजना कुमावत, सोनू शर्मा, परमेश्वरी, दुर्गा, तारा, नीतू कुमावत, रेखा, ईकार, रिमझीम, ललिता नेतड़, चंकी मिश्रा, ईश्वर, जगदीश, जमना प्रसाद, ने प्रस्तुति दी।

20 अक्टूबर 2019 से 29 अक्टूबर 2019 तक दीपावली का अवकाश रहा। अवकाश से एक दिन पूर्व संस्था के परिवार के सभी सदस्यों ने एक दूसरे को मिठाई देकर शुभकामनायें दीं। 25 दिसम्बर 2019 से 31 दिसम्बर 2019 तक शीतकालीन अवकाश रहा।

दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए सचिव डॉ. बी.एल. देवन्दा

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान खाने का लुप्त लेती हुई महाविद्यालय छात्र व छात्राएँ

शैक्षिक भ्रमणः–

दिनांक 14 दिसम्बर 2019 को महाविद्यालय की छात्र–छात्राओं का दो दिवसीय शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। महाविद्यालय की छात्र–छात्राओं ने अजमेर शहर, विजय स्मारक, आनासागर झील, तीर्थ नगरी पुष्कर, नारेली आदि ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। छात्राओं ने अजमेर में विजय स्मारक देखा। तीर्थ नगरी पुष्कर, नारेली में दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। अन्त में छात्राओं ने पुष्कर झील में स्नान करके ब्रहमा जी के दर्शन कर वापस कॉलेज के लिए प्रस्तान किया व शैक्षिक भ्रमण की यादें लेकर सभी छात्र–छात्राएँ अपने–अपने घर गये।

स्वामी विवेकानन्द जयन्तीः–

12 जनवरी 2020 से 'स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के समारोह का आयोजन (राष्ट्रीय युवा सप्ताह) के रूप में 18 जनवरी 2020 तक किया गया, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यकम किये गयें यथा–सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगितायें।

छात्राओं ने एकल नृत्य प्रतियोगिता में रीतु कंवर, तमन्ना बानो, अनिता रॉयल, सोनू शर्मा परवीन बानों, आंकाशा राणा ने भी प्रस्तुति दी। सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में लक्ष्मी एण्ड ग्रुप, पार्वती एण्ड ग्रुप ने अपनी प्रस्तुति दी।

लम्बी कूद प्रतियोगिताः–

13 जनवरी 2020 को महाविद्यालय में लम्बी कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक शाहिद खान एवं विजयलक्ष्मी कुमावत रहे। जिसमें अनिता मीणा प्रथम बीए तृतीय वर्ष, सुमन देवी द्वितीय बी.ए. द्वितीय वर्ष तथा सोनू शर्मा बी.ए. द्वितीय वर्ष रही।

लम्बी कूद प्रतियोगिता

➢ पोस्टर प्रतियोगिता:-

13 जनवरी 2020 को महाविद्यालय मे "पोस्टर प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक थे विजयलक्ष्मी कुमावत (व्याख्याता हिन्दी), शाहिद खान (व्याख्याता इतिहास), राजेश कुमार (राज. विज्ञान) इस प्रतियोगिता मे प्रथम पायदान पर रही दुर्गा कुमावत, द्वितीय स्थान लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी ने प्राप्त किया।

➢ गोला फेंक प्रतियोगिता:-

13 जनवरी 2020 को गोला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके निर्णायक शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत रहे। इस प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान पर रेखा मण्डूसिया बी. ए. प्रथम वर्ष, एवं अनिता रॉयल द्वितीय बी.ए. तृतीय वर्ष तथा ईकार गुर्जर बी.ए. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गोला फेंक प्रतियोगिता

➢ **चम्मच कंचा दौड़** :-13 जनवरी 2020 को ही चम्मच तथा कचा दौड भी की गई, जिसके निर्णायक थे, विजयलक्ष्मी कुमावत, शाहिद खान एव राजेश कुमार। इस प्रतियोगिता मे अनिता मीणा प्रथम, लक्ष्मी खटीक द्वितीय तथा सोनू शर्मा तृतीय रहीं।

तस्तरी फैंक:–

14 जनवरी 2020 को ही तस्तरी फैंक का आयोजन किया गया जिसमें निर्णायक थे, पूजा कुमावत, शाहिद खान, विजय लक्ष्मी कुमावत। इस प्रतियोगिता में जन्नत बानो ने प्रथम स्थान, मथिया ने द्वितीय स्थान व तृतीय स्थान नेजा ने प्राप्त किया।

तस्तरी फेंक प्रतियोगिता

➤ मेंहदी प्रतियोगिताः–

हमारी प्राचीन संस्कृति की एक शाश्वत् सनातन परम्परा रही है। अपने रीति–रिवाजों का मनोयोग से निर्वाह करना। राजस्थान में मेंहदी का अपना एक विशिष्ट ही स्थान है, जो पूरे देश क्या विश्व में प्रसिद्ध है। उस प्रान्त की हिना का ही रंग है जो कर–स्पर्श कर ले बस हिना लगने से पूर्व ही अपना रंग दिखा देती है। इसी के अन्तर्गत संस्था की बालिकाओं द्वारा 14 जनवरी 2020 को 'मेंहदी–प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रसन्नता की बात है कि इसी कलात्मक प्रतियोगिता से संस्था के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का 'श्री गणेश' हुआ।

इस प्रतियोगिता के निर्णायक थे– सुश्री विजयलक्ष्मी (व्याख्याता हिन्दी) राजेश कुमार (व्याख्याता राज0 विज्ञान) एवं शाहिद खान (व्याख्याता इतिहास) मेंहदी प्रतियोगिता में विजयी रहीं–तमन्ना बानो–प्रथम, लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी–द्वितीय, रेखा मण्डूसिया।

मेंहदी प्रतियोगिता

➢ दौड़ प्रतियोगिताः–

14 जनवरी 2020 को 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ का आयोजन किया, जिसके निर्णायक शाहिद खान (व्याख्याता इतिहास) तथा विजयलक्ष्मी कुमावत (व्याख्याता हिन्दी) रहे। 100 मीटर दौड़ में परमेश्वरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, लक्ष्मी खटीक द्वितीय स्थान पर रहीं तथा सुमन देवी तृतीय स्थान पर रहीं । 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर रहीं परमेश्वरी, इन्द्रा शर्मा द्वितीय रहीं तथा सुमन देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दौड़ प्रतियोगिता

➢ रंगोली प्रतियोगिता :–

15 जनवरी 2020 को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। जिसके निर्णायक–राजेश कुमार (व्याख्याता राज. विज्ञान), मोहन लाल प्रजापत, तथा विजयलक्ष्मी कुमावत(व्याख्याता हिन्दी) रहें। इसमें प्रथम वीर तेजा ग्रुप, राधा ग्रुप द्वितीय रहा, दुर्गा एण्ड ग्रुप तृतीय रहा।

रंगोली प्रतियोगिता

➢ म्युजिकल चेयरः–

15 जनवरी 2020 को म्यूजिकल चेयर रेस का आयोजन किया गया जिसके निर्णायक–शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत एवं रेनू। इसमें ललिता नेतड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

म्युजिकल चेयर रेस

17 जनवरी 2020 को ही अन्य निम्नलिखित प्रतियोगितायें इस प्रकार आयोजित की गईः–

- ### कविता–पाठ प्रतियोगिताः–

निर्णायक–विजय लक्ष्मी कुमावत, राजेश कुमार ,शाहिद खान।
इसमें प्रथम लक्ष्मी खटीक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- ### सामूहिक नृत्य प्रतियोगिताः–

निर्णायक–विजय लक्ष्मी कुमावत, शाहिद खान, राजेश कुमार।
इसमें लक्ष्मी एण्ड ग्रुप ने प्रथम व पार्वती एण्ड ग्रुप ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

- ### एकल नृत्य प्रतियोगिताः–

निर्णायक–शाहिद खान, विजयलक्ष्मी कुमावत एवं रेनू।
इसमें रीतु कंवर ने प्रथम स्थान, तमन्ना बानो द्वितीय व तृतीय पायदान पर अनिता रही ।

- ### अन्य प्रतियोगिताः–

रिले रेस– इसमें लक्ष्मी खटीक ने प्रथम स्थान, परमेश्वरी ने द्वितीय स्थान और अंजना कुमावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

तीन टांग रेस– इसमें सोनू शर्मा ने प्रथम स्थान, पूजा ने द्वितीय स्थान और परमेश्वरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भार संतुलन रेस– इसमें मथिया रियाड ने प्रथम स्थान, इन्द्रा शर्मा ने द्वितीय स्थान और सरोज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समापन समारोह 18 जनवरी 2020

मुख्य अतिथि प्रोफेसर रूप सिंह बारेठ पूर्व कुलपति एम.डी.एस. विश्वविद्यालय, अजमेर का छात्राओं द्वारा तिलक करते हुए।

विशिष्ट अतिथि श्रीमति नसीम अख्तर इंसाफ पूर्व शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार महाविद्यालय में प्रवेश करते हुए।

दीप प्रज्ज्वलन करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर रूप सिंह बारट

दीप प्रज्ज्वलन करते हुए महाविद्यालय सचिव डॉ. बी.एल देवन्दा

महाविद्यालय सचिव द्वारा मुख्य अतिथि प्रोफेसर रूप सिंह बारेठ का स्वागत करते हुए।

महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा विशिष्ट अतिथि श्रीमति नसीम अख्तर इंसाफ पूर्व शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार का स्वागत करते हुए।

महाविद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष बजरंग लाल भाकर द्वारा डॉ. सीताराम चौधरी ऐसासियट प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय का स्वागत करते हुए।

महाविद्यालय सचिव द्वारा श्रीमान मूलदेव चौधरी व्याख्यता राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय करकेड़ी अजमेर का स्वागत करते हुए।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह में उपस्थित अतिथि गण

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा छात्राओं को सम्बोधित करते हुए ।

महाविद्याल सचिव डॉ बी.एल. देवन्दा द्वारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह के दौरान छात्राओं को सम्बोधित करते हुए।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह के दौरान विशिष्ट अतिथि द्वारा छात्राओं को सम्बोधित करते हुए।

समारोह में उपस्थित गणमान्य नागरिक एवं छात्र, छात्राऐं

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की झलक

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह
DJ साऊण्ड

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह
महिला महाविद्यालय
अजमेर
टेन्टहाऊस DJ

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह
12 जनवरी से 18 जनवरी
स्वागत है ।
महिला महाविद्यालय
प्रशिक्षण महाविद्यालय
अजमेर
प्रजापत
DJ
प्रजापत
टेन्टहाऊस DJसाऊण्ड

दिनांक- 12 जनवरी से 18 जनवरी
स्वामी विवेकानन्द
महाविद्यालय

महिला सशक्तिकरण
NO MORE SILENCE

दिनांक- 12 जनवरी से 18 जनवरी

राष्ट्रीय युवा सप्ताह
दिनांक- 12 जनवरी से 18 जनवरी

दिनांक- 12 जनवरी से 18 जनवरी

दिनांक 12 जनवरी से 18 जनवरी

दिनांक- 12 जनवरी से 18 जनवरी

अतिथियों द्वारा छात्रा को पुरस्कार वितरण करते हुए।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह के दौरान महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा गणमान्य नागरीक व छात्र–छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए।

इन सभी प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त संस्था की सर्वश्रेष्ठ छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

1. सांस्कृतिक, शैणक्षिक तथा अनुशासनः–सर्वश्रेष्ठ रहीं लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी।
2. खेलकूद प्रतियोगिताः–अनिता मीणा।
3. संस्था में उपस्थितिः–दुर्गा कुमावत।
4. बी.ए. प्रथम वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा–दुर्गा कुमावत पुत्री श्री ओम प्रकाश कुमावत, नीतू पुत्री श्री उगमा राम कुमावत।
5. बी.ए. द्वितीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा–ललिता पुत्री श्री गणेश राम जाट, पूजा कुमावत पुत्री श्री हनुमान प्रसाद कुमावत।
6. बी.ए. तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा–तारा शर्मा पुत्री श्री रघुनाथ शर्मा, अर्चना जाट पुत्री श्री रामकरण जाट, मेघना देवी पुत्री श्री प्रेम राज।

18 जनवरी 2020 को (राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह) का समापन समारोह रंगारंग कार्यक्रमों के द्वारा भूरि–भूरि प्रशंसा के मध्य, करतल ध्वनि के साथ कुछ इस प्रकार मनाया गया।

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय रूपनगढ, स्वामी विवेकानन्द के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह का आज समापन किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर रूप सिंह बारेठ पूर्व कुलपति एम.डी.एस. विश्वविद्यालय, अजमेर तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमति नसीम अख्तर इंसाफ पूर्व शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार रहे। समारोह की अध्यक्षता डॉ. सीताराम चौधरी ऐसासियट प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय किशनगढ ने की। इस अवसर पर रामचन्द्र चौधरी, रामविलास थाकण, श्री जीवण राम भाकर उपस्थित रहे। प्रतिवर्ष की भॉति इस वर्ष भी राष्ट्रीय युवा सप्ताह के दौरान महाविद्यालय में दिनांक 12 जनवरी से 18 जनवरी के बीच विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यक, खेल–कूद एवं मनोरंजक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई जिनमें वाद–विवाद, श्रुति लेखन, कार्ड एवं पोस्टर मेकिंग कविता–पाठ, आशु–भाषण, एथलेटिक्स प्रतियोगिताए कब्ड्डी, चम्मच दौड, रिले रेस, तीन–टांग की दौड इत्यादि प्रमुख थी। महाविद्यालय की छात्राओ ने आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में बढ–चढकर भाग लिया।

समापन समारोह के अवसर पर महाविद्यालय के सचिव डॉ. बी.एल देवन्दा एवं अध्यक्ष श्री बजरंग लाल भाखर ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया एवं महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए प्रोफेसर रूप सिंह बारेट ने विवेकानन्द के आदर्श को जीवन में उतारने एवं अच्छे कर्म करने को प्रमुखता से अपनाने की बात कही साथ ही प्रत्येक विद्यार्थी को अपने शैक्षिक योग्यता के साथ–साथ कौशल विकास पर बल देने की बात कही। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमति नसीम अख्तर इंसाफ ने छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कार्य त्याग एवं समर्पण के साथ करने की सीख दी तथा निरन्तर कर्म करने की बात कही आपने बताया की सफलता का मार्ग सीधा नहीं होता है इसमें कई कठिनाईयॉ आती है और जो इन कठिनाईयों से बिना घबराए धैर्य के साथ अपने कार्य में लीन रहता है वह निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है।

महाविद्यालय में 12.01.2020 से 18.01.2020 तक आयोजित सांस्कृतिक, साहित्यक एवं खेल–कूद प्रतियोगिताओं में विजेता छात्राओ को पुरस्कार वितरण किये गये जिसमे अनिता मीणा, लक्ष्मी खटीक, दुर्गा, सोनू शर्मा, तमन्ना बानो, रूकसाना, रेखा मंडूसिया, मथिया रियाड़, संजू जाट, नेराज मेघवाल, इंद्रा शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मेघना कंवर चारण, सीमा चौधरी, पूजा धोलखेडिया, संतरा देवी, कविता चौधरी, अल्पना भणात, दुर्गेश्वरी बाना, रेखा गुर्जर, चंकी मिश्रा, जगदीश मेघवाल, प्रधान मीणा द्वितीय स्थान प्राप्त किया

इस अवसर पर सोनू शर्मा बी.ए. पार्ट द्वितीय को मिस गरबा चुना गया। बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में क्रमशः प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएँ दुर्गा, ललिता एवं तारा शर्मा को भी मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। महाविद्यालय की सर्वश्रेष्ट छात्रा का पुरस्कार लक्ष्मी कुमारी गोस्वामी बी.ए. पार्ट तृतीय को दिया गया।

अन्त में अध्यक्ष डॉ. सीताराम चौधरी महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सभी सदस्यों को इस पिछडी पंचायत क्षेत्र में बालिकाओं की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया एवं महाविद्यालय की प्रगति की कामना की ।

शिक्षा के क्षेत्र में जितना महत्व स्वस्थ मनोमस्तिष्क का है उतना ही स्वस्थ शरीर का भी। इसलिये कहा गया " A healthy mind lives in a healthy body" और स्वस्थ शरीर का राज है व्यायाम एवं खेलना कूदना। लगन, धैर्य और मेहनत की परिणति है 'सफलता' और सफलता का मूर्तरूप है–'पुरस्कार'

सत्र 2019–2020 के (राष्ट्रीय युवा सप्ताह समारोह) के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में जो छात्रायें विजयी रहीं उन सभी को मुख्य अतिथि महोदय ने स्मृति–चिह्न एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया।

समारोह के अन्त में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा एवं महाविद्यालय प्रभारी रमेशचन्द मीणा ने सभी अतिथियों का तहे दिल से आभार व्यक्त करते हुये साधुवाद दिया। हम सभी की उस परम पिता परमेश्वर से करबद्ध प्रार्थना है कि आज जो बीज 'स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय' के नाम का रोपा गया है, भविष्य में वो वट वृक्ष की तरह इतना विशाल बने कि जिसकी जड़े नीचे धरती में तथा फूंगल फलक को स्पर्श करे। उसकी महक चहुं दिशाओं में फैले तथा छात्रायें यहाँ अध्ययन कर ऊँचे–ऊँचे पदो पर आसीन होकर संस्था के नाम में चार चांद लगायें। रूपनगढ़ कस्बे में शिक्षा के क्षेत्र में उठाया गया ये कदम सराहनीय है तथा वो सभी विभूतियों अभिवन्दनीय, अभिनन्दनीय हैं, इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं। महिला शिक्षा उत्थान के लिये जो ये सराहनीय कदम उठाया गया है, उसी नारी को समर्पित ये पंक्तियाँ हैं–

"नारी तुम केवल श्रद्धा हो
विश्वास रजत नग पग तल में

पीयूष स्त्रोत सी बहा करो
जीवन के सुन्दर समतल में"

विदाई समारोह– स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय रूपनगढ में दिनांक 08.02.2020 को महाविद्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय सचिव डॉ.बी.एल. देवन्दा, अध्यक्ष श्री बजरंग लाल भाकर और प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा एवं श्री शिवराज सिंह राठौड़ उपसरपंच ग्राम पंचायत कोटडी ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय सचिव डॉ. बी.एल देवन्दा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि प्रकृति का यही नियम है कि हमें कुछ नया करने हेतु हमें आगे बढना होता है, इस महाविद्यालय में आपका यही तक सफर था।

सर्वप्रथम बी.ए. प्रथम व द्वितीय वर्ष की छात्राओ ने बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं को तिलक व श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में आगे छात्राओं ने स्वागत गीत गाकर इनका स्वागत किया। पूजा जाट, तारा शर्मा, सुमन पंवार ने रंगा–रंग प्रस्तुतिया दी। लक्ष्मी खटीक ने विदाई गीत गाकर भाव–विभोर कर दिया।

महाविद्यालय प्राचार्य ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आपको अपना उज्जवल भविष्य बनाने के लिए सत्य व कर्त्तव्यनिष्ठता के मार्ग पर चलने पर सफलता आपके कदमों को चूमेंगी तथा आप अपने महाविद्यालय, परिवार, गांव, समाज और देश का नाम रोशन करेगी ।

महाविद्यालय प्रभारी रमेश चंद मीणा ने छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया और जीवन में एक लक्ष्य बनाकर आगे बढे और अच्छे पदों पर आसीन होकर अपने परिवार, महाविद्यालय समस्त गुरूजनों का, देश का नाम रोशन करे और इसके साथ ही समस्त स्टाफ ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

विदाई समारोह कार्यक्रम प्रारंभ करते हुए
महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, कॉलेज प्रभारी श्री रमेश मीणा

अतिंम वर्ष की छात्रा द्वारा कॉलेज के तीन पूर्ण होने पर अपने
अनुभव साझा करते हुए

विदाई समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए

Mob. 9314618091

महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा अतिंम वर्ष की छात्राओं को उपहार व श्री फल देते हुए।

निम्न बिन्दू भी ध्यातव्य है:–

महाविद्यालय की छात्राओं को निर्धारित शर्तो के अनुसार प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति प्रदान की जायेंगी।

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
- आवश्यकता मय योग्यता छात्रवृत्ति
- अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति
- अध्यापकों के बच्चों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
- सेवारत मृत राज्य कर्मचारियों पर आश्रित छात्राओं को छात्रवृत्ति
- भारत, पाक एवं चीन युद्धों में मृतक सैनिकों के बच्चों एवं विधवाओं को छात्रवृत्ति
- राष्ट्रीय ऋण योग्यता छात्रवृत्ति
- अन्ध, बधिर अथवा विकलांग छात्रवृत्ति
- अल्प आय वर्ग छात्रवृत्ति
- स्वतन्त्रता सेनानियों के बच्चों को देय छात्र वृत्ति

30 जनवरी 2020 को महाविद्यालय में बसन्त–पंचमी के दिन मॉ शारदा की पूजा अर्चना की। मॉ वीणा–पाणि का वन्दन सनातन है, अनादि है, अनन्त है। भूत, वर्तमान, भविष्य गाते रहे हैं, गाते रहेंगे परन्तु सरस्वती का गुणगान कभी पूर्ण नहीं होगा। मॉ शारदा के पूजन, अर्चना के साथ ही सत्र् 2019–20 के 'स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ' के वार्षिक–प्रतिवेदन को विराम दिया जाता है।

!!जय–हिन्द, जय–भारत!!

!!धन्यवाद!!